



पतंग



सर—सर सर—सर उड़ी पतंग,
फर—फर फर—फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग !
सर—सर सर—सर उड़ी पतंग,
फर—फर फर—फर उड़ी पतंग।

— सोहन लाल द्विवेदी



पतंगों के रंगों की पहचान कराएँ और कविता का हाव-भाव के साथ पाठ कराएँ।



1. कविता में ढूँढो और घेरा ○ बनाओ –

सर फर काटा सपाटा पतंग

2. ऐसे पाँच शब्द और बोलो जिनमें 'र' आता हो, जैसे—

रजत, तरबूज, टमाटर

3. बताओ –

(क) कैसे उड़ी पतंग ?

(ख) कितने बच्चों के पास पतंग?

(ग) कितने रंगों की पतंग ?

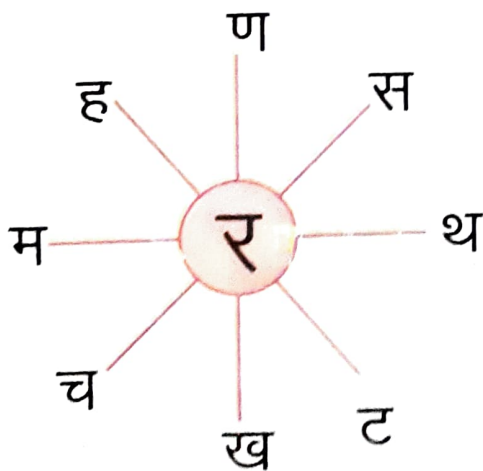
(घ) किन-किन रंगों की पतंग ?

(ङ) कितनी कटी पतंग ?

4. पढ़ो और लिखो— सर—सर, फर—फर, सैर—सपाटा ।

5. 'र' से मिलाकर शब्द बनाओ जैसे— रख

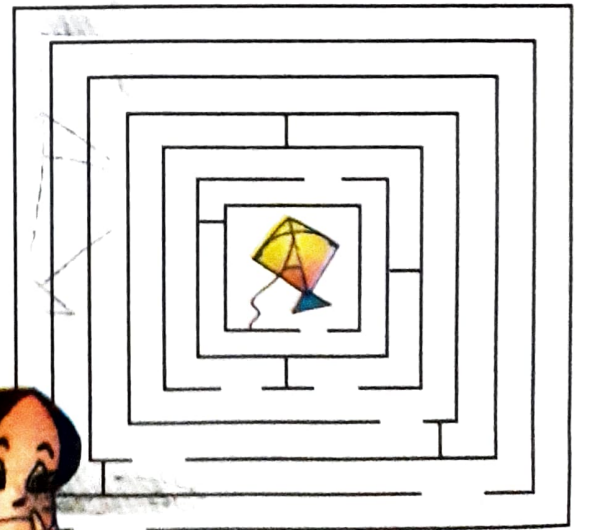
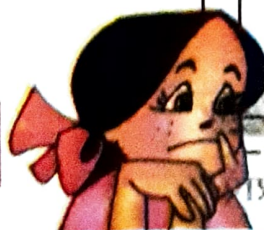
6. शमा को पतंग तक पहुँचाओ



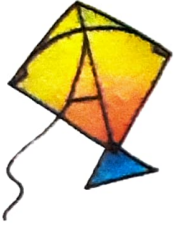
.....

.....

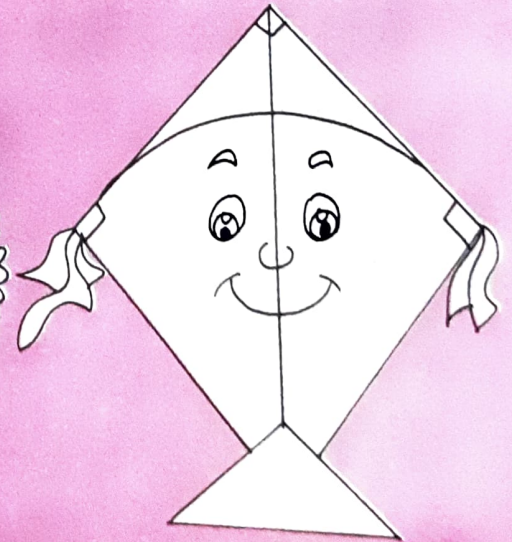
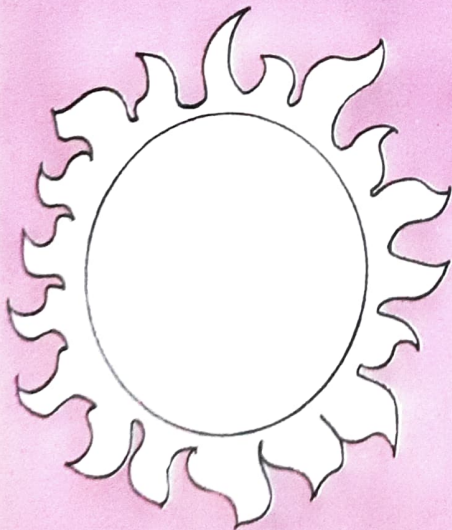
.....



7. जिन चीजों को खाते हैं, उन पर ○ बनाओ।
खेलने की चीजों पर □ बनाओ—



8. रंग भरो—



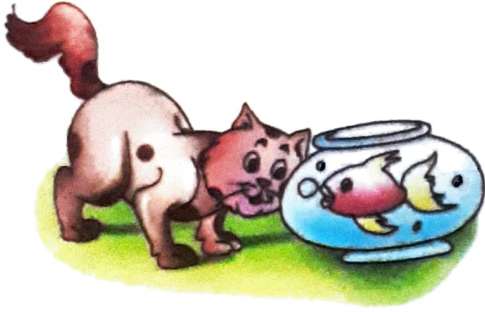
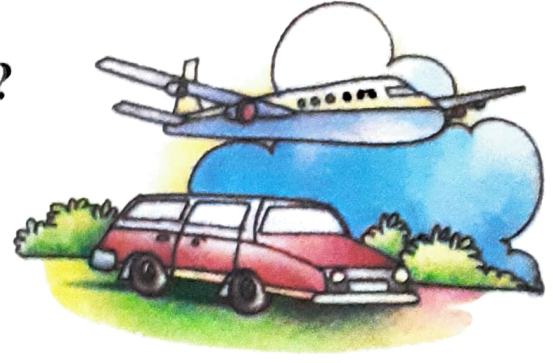
● बिना मात्रा वाले शब्दों से बनने वाले परिचित वाक्यों का अभ्यास कराएँ, जैसे सरपट चल, बरतन रख आदि। आसमान में और क्या-क्या उड़ते देखा है, पर बातचीत करें।

How Much have you Learnt?

1- Look and tell-

Which is down?

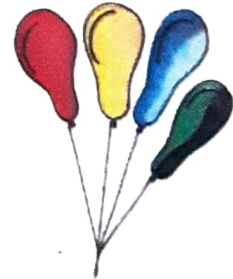
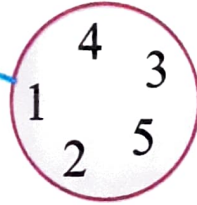
Which is up?



Who is in?

Who is out?

2- Look, count and match-



3. चित्र देखकर शब्द पूरा करो-



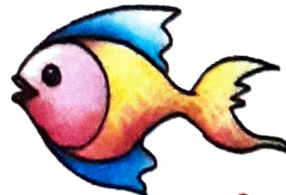
.....नार



.....र



.....ल



.....छली



.....तंग

4. सुबह से शाम तक तुम क्या-क्या काम करते हो ?

बच्चों से हरी पट्टी, श्यामपट्ट अथवा कॉपी पर वर्णों को लिखकर बोलने के अभ्यास कराएँ।